बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन।

[भाग-2—कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित]

सोमवार, तिथि 3 सितम्बर, 1984 ई०।

विषय-सूची।

	पृष्ठ
स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं [अस्वीकृत]	1
शून्यकाल की चर्चाएं :	
(क) रामेश्वर जूट मिल, मुक्तापुर में तालाबन्दी	1
(ख) सरकारी कर्मचारियों द्वारा हड़ताल	2—4
(ग) बस में चार व्यक्तियों की हत्या	4
(घ) मजदूरों को जिन्दा जलाना	4
(ङ) जहरीली शराब से लोगों की मृत्यु	5
(च) बाढ़ के पानी से भयंकर स्थिति	5
(छ) बाढ़ के पानी से समुद्र-सा दृश्य	5
(ज) चापाकलों की मरम्मत	6
(झ) हरिजनों को जलाना	6
(ञ) निजी सहायकों की नियुक्ति	6
(ट) सामन्तों द्वारा ग्रामीणों की हत्या	6-7
(ठ) दोषी अधिकारियों को दंडित करना	7
(ड) सरकारी कर्मचारियों द्वारा अनिश्चित कालीन हड़ताल	7
(ढ) नियुक्ति का आदेश	7

(ज) चापाकलों की मरम्मत।

श्री अब्दुस सलाम—दरभंगा जिलान्तर्गत सिंहवारा थाने में कई साल से सैकड़ों ऐसे चापाकल हरिजन और गैर-हरिजन बस्तियों में गाड़े गए हैं जो खराब पड़े हुए हैं। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रणा विभाग, दरभंगा निधि के अभाव में बना नहीं रहा है। चापाकल की मरम्मती नहीं करने के कारण गरीब हरिजन पानी के बिना परेशान हैं। मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूं।

(झ) हरिजनों को जलाना।

श्री जयप्रकाश नारायण यादव—मुंगेर जिला के बरबीघा प्रखंड के अन्तर्गत अम्बारी गांव में अनेकों बसे हुए हरिजन परिवार को जला दिया गया। आज भी हरिजनों एवं कमजोर वर्ग के लोगों में आतंक है एवं भय का वातावरण व्याप्त है। जिलाधिकारी मुंगेर, श्रीपंचम लाल ने जो जांचोपरान्त सरकार को प्रतिवेदन समर्पित किया है, उस पर सरकार अमल करे ताकि हरिजनों को न्याय मिल सके और सामंत एवं शोषक तत्वों पर कार्रवाई की जा सके। इस घटना को रोकने में बरबीघा के जिन अधिकारियों ने शिथिलता बरती है उन पर कार्रवाई की जाय। इससे जनजीवन में क्षोभ है।

(ञ) निजी सहायकों की नियुक्ति।

श्री राजकुमार पूर्वे—बिहार लोक सेवा आयोग एवं अवर सेवा चयन पर्षद द्वारा 1980 में निजी सहायकों की बहाली के लिए सफल उम्मीदवारों का चयन किया गया, लेकिन अभी तक उनलोगों को बहाली नहीं की गई है। पुनः 1982 ई० में 242 सफल उम्मीदवारों की सूची तैयार कर कार्मिक एवं प्रशासनिक विभाग, बिहार, पटना को भेजा जा चुका है। जिसका गजट भी हो चुका है, लेकिन इनकी बहाली नहीं की जा सकी है फिर अवर सेवा चयन पर्षद द्वारा 109 उम्मीदवारों को सफल घोषित किया गया है। इनके बाद सहायक एवं चर्या लिपिकों के लिए ली गई परीक्षा में उम्मीदवारों को सफल घोषित कर नियुक्ति भी कर दी गई है। सचिवालय स्तर पर संलग्न कार्यालयों में निजी सहायकों के लिए बहुत से पद रिक्त हैं। अतः सरकार द्वारा निजी सहायक के पद के लिए सफल उम्मीदवारों को नियुक्त किया जाय।

(ट) सामन्तों द्वारा ग्रामीणों की हत्या।

श्री शिवनन्दन पासवान—दिनांक 28 अगस्त, 1984 को गया जिलान्तर्गत बखरी थाना के रामनगर गांव में वहां के सामन्तों एवं भूमिपतियों ने सर्वश्री नारायण सिंह,